कैम्पस प्लेसमेंट

शिक्षा पूरी होने के पूर्व ही राधारमन विद्यार्थी अच्छी कंपनियों व संस्थानों में शानदार पैकेज वाली नौकरियां पा सकें इस हेतु हमारा ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल विद्यार्थियों को नौकरी हासिल करने के लिए जरूरी स्किल्स के प्रशिक्षण से लेकर कंपनियों को ओपन व क्लोज्ड कैम्पस के लिए आमंत्रित करने तक अथक प्रयास करता है। सेल के जोरदार प्रयासों के चलते हर वर्ष सैकड़ों विद्यार्थी अच्छी नौकरियां पाने में सफल हो रहे हैं।

Till April '11 As Many As 11 Companies Have Already Done Campuses...

Name of the Campany	Date		Branch	Total Selections	Package
Capital IQ	8th & 9th Jan. 2011	Open	MBA(Fin.) M.Com M.F.M. & MS(Fin.)	25	₹2.20 lac
Tally	18-Jan-11	Closed	CS,IT,EC	3	₹6.00 lac
Syntel	22-Jan-11	Open	CS,IT,EC	40	₹2.75 lac
Thyrocare	4th Feb 2011	Open	MBA(HR & Mkt.) B.Sc., B-Pharma	48	₹2.0 lac
AKS Software	14th Feb 2011	Closed	CS, IT	17	₹2.80 lac
ENERCON (I) Ltd.	17th & 18th Feb 2011	Open	ME,EX,CIVIL	60	₹2.40 lac
Asia Motor Works Ltd. (AMW)	21ST FEB- 2011	OPEN	Diploma (Automobile, ME, Production, Industrial Engin.	15	₹1.80 lac
CUMMINS (India) LTD.	2nd March 2011	Open	BE(ME,Industrial, Production, Automobile)	20	₹3.50 lac
Anand Automotive Limited	5th March 2011	Open	Dip. EC, ME, Automobile Electrical	50	₹1.80 lac
Heidelberg Cement	15th March 2011	Close	ME,EC,EX	25	₹3.0 lac
VIT Infotech	18th March	Close	CS, IT, MCA	25	₹3.0 lac

समाचार पत्रों में राधारमन

दैनिक भास्कर | पत्रिका | नवदुनिया | राज एक्सप्रेस | hindustantimes | दैनिक जागरण

राधारमन ग्रुप ने दिया शानदार परिणाम

भोपाल | आरजीपीवी द्वारा घोषित बीई सांतवे सेमेस्टर की रिजल्ट में राधारमन ग्रुप के महाविद्यालयों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया है। राधारमन इंजीनियरिंग कॉलेज (आरईसी) का कुल रिजल्ट 97 फीसदी रहा। यहां देवेन्द्र सिंह ने 86.5% अंकों के साथ टॉप किया। वहीं आरआईआरटी का कुल रिजल्ट 95 फीसदी रहा। यहां कंप्यूटर साइंस की छात्रा अपर्णा व्यास ने 84% अंक हासिल कर प्रावीण्य सूची में जगह बनाई। समूह के तीसरे कॉलेज आरआईटीएस ने 90.4 फीसदी रिजल्ट दर्ज किया गया। यहां सीएस ब्रांच की छात्रा स्नेहा चौधरी ने 85.37% अंक हासिल कर टॉप किया। इन परिणामों पर हर्ष जताते हुए ग्रुप चेयरमेन आर.आर.सक्सेना ने सभी फैकल्टी मेम्बर्स को बधाई दी।

राधारमन फैकल्टी बेस्ट प्रजेंटेशन के लिए पुरस्कृत

भोपाल | राधारमन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में कार्यरत एमबीए के असिस्टेंट प्रोफेसर अतुल लूम्बा को बेस्ट पेपर प्रजेन्टेशन के लिए पुरस्कृत किया गया है। उन्होंने यूजीसी के सहयोग से सरोजिनी नायडू गर्ल्स कॉलेज के कॉमर्स विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में अपना पेपर प्रस्तुत किया था। मॉडर्न मार्केटिंग रिसर्च एंड मैनेजमेंट विषय पर आधारित इस सेमिनार में श्री लूम्बा ने मॉल कल्चर एंड कंज्युमर सेटिस्फेक्शन विषय पर विश्लेषणात्मक अध्ययन कर प्रजेन्टेशन दिया था। इस पेपर में उन्होंने शॉपिंग मॉल से खरीदी करने वाले ग्राहकों के व्यवहार, पसंद व संतुष्टि पर प्रकाश डाला था। राधारमन ग्रुप के चेयरमेन आर.आर.सक्सेना ने प्रो.अतुल लूम्बा को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

राधारमन के ओपन कैंपस में 34 विद्यार्थी चयनित

भोपाल। देश की अग्रणी वाहन कलपुर्जा निर्माता कंपनी आनंद ऑटोमोटिव लिमिटेड ने राधारमन ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट्स में हाल ही में किए ओपन कैंपस में 34 जूनियर इंजीनियरिंग विद्यार्थियों का विभिन्न पदों पर नियुक्ति देने हेतु चयन किया है। कंपनी द्वारा सभी नियुक्तियां मध्यप्रदेश में की जावेंगी। लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार के पश्चात कंपनी ने 34 विद्यार्थियों को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया है। चयनित विद्यार्थियों को कंपनी अच्छे पैकेज पर नियुक्तिप्रदान करेगी। इस उपलब्धि पर राधारमन ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट्स के चेयरमेन आरआर

Edunotes
Enercon India recruits 48 students

A total of 48 students, including 12 from Radharaman Group of Institutes, were recruited by Enercon India Limited on an annual package of ₹ 3 lakh each. The reputed wind energy

कमिन्स इंडिया ने छात्राओं को दिया महिला दिवस का तोहफा

भोपाल | इंजन निर्माण करने वाली प्रमुख कंपनी कमिन्स की भारतीय इकाई कमिन्स इंडिया ने महिला दिवस के अवसर पर इंजीनियरिंग की छात्राओं को अच्छी नौकरी का तोहफा दिया है। कंपनी ने रातीबड़ स्थित राधारमन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स परिसर में केवल छात्राओं के लिए मेगा ओपन कैम्पस आयोजित किया। कंपनी ने 12 छात्राओं को 3.25 लाख रुपए सालाना पैकेज पर नियुक्ति प्रदान की है। इस बारे में राधारमन ग्रुप के चेयरमेन आर.आर.सक्सेना ने कहा कि 21वीं सदी महिलाओं की सदी है। इस सदी में बेटियां अंतरिक्ष से लेकर समुद्र की गहराईयों तक नए कीर्तिमान बना रही हैं

Radharaman team enters next round of Nodal Cricket Tournament

कमिन्स इंडिया ने छात्राओं को दिया नौकरी का तोहफा

राधारमन के 189 विद्यार्थी शार्टलिस्ट

भोपाल. देश की अग्रणी विण्ड एनर्जी कंपनी एनरकॉन इंडिया लिमिटेड ने राधारमन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में पूल कैम्पस आयोजित किया।

इसमें प्रदेश के निजी एवं शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 600 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें व्यक्तिगत साक्षात्कार के अंतिम चरण में 189 विद्यार्थी पहुंचे।

दो दिन चलने वाले इस कैम्पस के पहले दिन ग्रुप के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डॉ.

RADHARAMAN BEAT RAVISHANKAR COLLEGE

HT Correspondent
editorbhopal@hindustantimes.com

BHOPAL: Radharaman A defeated Ravishankar College by 35 runs in a match played under the Nodal Cricket Tournament here on the premises of Radharaman Group of Institutions at Ratibad on Monday. The tournament is being organised under its Annual Sports Carnival 'Vihan'.
Radharaman posted a total of

राधारमन में एएमडब्ल्यू के कैम्पस में 20 विद्यार्थी शॉर्टलिस्ट

भोपाल। वाहन निर्माता कंपनी एशिया मोटर वर्क्स लिमिटेड (एएमडब्ल्यू) द्वारा प्रदेश के उच्च शिक्षा समूह राधारमन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में विगत दिवस ओपन कैम्पस आयोजित किया गया। यह कैम्पस जूनियर इंजीनियरों के लिए आयोजित किया गया था जिसमें प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के 250 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कैम्पस में लिखित परीक्षा का चरण को पूरा करने वाले 20 विद्यार्थियों को कंपनी ने साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया। ग्रुप डिस्कशन में विद्यार्थियों के कम्यूनिकेशन स्किल्स, टीम वर्क, लीडरशिप, पर्सनेलिटी व सब्जेक्ट नॉलेज की परख की गई। राधारमन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के चेयरमैन आरआर सक्सेना ने शॉर्टलिस्ट विद्यार्थियों को अंतिम साक्षात्कार में चुने जाने पर शुभकामनाएं दी है।

Nodal Cricket Tournament
Radharaman in semis

वीआईटी इन्फोटेक में राधारमन ग्रुप से 15 का चयन

भोपाल | राधारमन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के 15 स्टूडेन्ट्स का चयन बैंगलुरु स्थित सॉफ्टवेयर कंपनी वीआईटी इन्फोटेक में हुआ है। कंपनी द्वारा आयोजित कैम्पस में ग्रुप के कंप्यूटर साइंस एवं आईटी ब्रांच के स्टूडेन्ट्स, एमटेक व एमसीए फाइनल ईयर के स्टूडेन्ट्स शामि हुए। कड़ी चयन प्रक्रिया के उपरांत कंपनी ने 15 उम्मीदवार चयनित कि

राधारमन के कैम्पस में एनरकॉन ने 48 विद्यार्थियों को नियुक्ति दी

33 विद्यार्थियों को उद्यम मंत्रालय के प्रमाण पत्र

sportsroundup
RADHARAMAN BEAT TRUBA, WIN TITLE

BHOPAL: Radharaman College lifted the title of basketball championship organized under Inter-College Sports Tournament 'Vihan' here on the premises of Radharaman Group of Institutions recently. The team beat Truba College 73-58 in the final to win the championship.
Earlier, Radharaman defeated NRI College 39-27 in the quarterfinal and beat IES College 43-34 in the semifinal to book a berth in the final.

For College Related Enquiries

Please Contact :
Mr. K. James 9425303149
Dr. K.M. Shivkumar 9425609714

Let Us Know Your Views

You may send in suggestions and querries related to Campus Metre to Mr. Prakash Patil, Media Relation Officer, Radharaman Group of Institutions.
rgipro79@gmail.com

The Hitavada | पीपुल्स समाचार | FREE PRESS | नईदुनिया

For In-house Circulation Only

Published by Dr. K.M. Sivakumar, Chief Editor for and on behalf of Radharaman Group of Institutes, Ratibad Main Road, Bhopal-462044. For internal circulation only.

CAMPUS Meter
Since 2003
A Newsletter of Radharaman Group
www.radharamanbhopal.com
Vol - 1 Issue 1
June 2011

श्री राधारमण सक्सेना

चेयरमैन की कलम से

हमारे समूह की उपलब्धियों व गतिविधियों पर केन्द्रित कैम्पस मीटर न्यूजलेटर का प्रथम अंक आपको सौंपते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। समूह के विद्यार्थी, शिक्षकगण तथा प्रशासकीय सहयोगी प्रतिमाह अनेकों गतिविधियों व उपलब्धियों को अंजाम देते हैं। उनकी इन उपलब्धियों व गतिविधियों के पीछे उनकी अथक मेहनत होती है जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा इस न्यूजलेटर के प्रकाशन का निर्णय लिया गया है जिसका प्रथम अंक आपके हाथों में है। मैं आशा करता हूं कि यह न्यूजलेटर हम सभी को विचारों की अभिव्यक्ति का एक अच्छा मंच प्रदान करेगा।

प्रवेशांक की शुरूआत में प्रथम पृष्ठ को प्रमुख रूप से विद्यार्थियों की खोजपरकता को समर्पित किया गया है। हमारे विद्यार्थियों ने जिस वैज्ञानिक सोच के साथ वॉटर फिल्टर प्रोजेक्ट और मालियों के स्वास्थ्य पर उनके पेशे से पड़ने वाले असर को अपने अध्ययन में प्रस्तुत किया है वह निसंदेह प्रशंसनीय है। न्यूजलेटर में ग्रुप की सभी गतिविधियों को स्थान मिल सके इस उद्देश्य से भीतर के पृष्ठों पर खेलकूद, कैम्पस प्लेसमेंट व फिल्मी हस्तियों के राधारमण भ्रमण को शामिल किया गया है।

इस न्यूजलेटर को पढ़कर आप मुझे अपने विचार और सुझाव अवश्य भेजें ताकि इसे और अधिक उपयोगी बनाया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय विज्ञान और प्रोद्योगिकी जर्नल का होगा प्रकाशन

मध्यभारत का अग्रणी उच्च शिक्षा समूह राधारमण ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट्स (आरजीआई) जल्द ही व्यावहारिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एप्लाइड साइंस एण्ड टेक्नालॉजी) पर एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल का प्रकाशन करेगा। इस हेतु आरजीआई को उच्च स्तरीय शैक्षणिक, तकनीकी एवं व्यावसायिक शोधपत्र प्राप्त हो चुके हैं। इस संबंध में राधारमण ग्रुप के चेयरमेन श्री आर.आर. सक्सेना ने बताया कि जर्नल में प्रकाशन हेतु अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान व विशेषज्ञता रखने वाले अनुभवी विशेषज्ञों का संपादकीय मण्डल श्रेष्ठ शोधपत्रों का चयन करेगा। श्री सक्सेना ने आगे बताया कि केन्द्र सरकार के काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एण्ड इण्डस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) के अंतर्गत आने वाले नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन एण्ड इन्फॉर्मेशन रिसोर्स (एनआईएससीएआईआर) ने इस जर्नल के प्रकाशन के लिए आवश्यक इंटरनेशनल स्टैण्डर्ड सीरियल नंबर (आईएसएसएन) भी प्रदान कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि इस इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों को समाहित करने वाले इस जर्नल के प्रकाशन से न केवल राधारमण समूह के विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हो रही नई खोजों व अनुसंधानों के बारे में जानकारी मिलेगी बल्कि इस जर्नल का फायदा उन विद्यार्थियों को भी मिलेगा जो मध्यप्रदेश अथवा देश के अन्य राज्यों के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं।

इतिहास रच रहे है राधारमण के युवा वैज्ञानिक

IIT खड़गपुर ने सिलेक्ट किया कम बजट का वॉटर फिल्टर प्रोजेक्ट

तोजो थॉमस | विपुल शर्मा | यूसुफ अली | गिरीश केसरवानी

राधारमण इन्स्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एण्ड टेक्नालॉजी के विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच को देश के अग्रणी तकनीकी शिक्षण संस्थान आईआईटी खड़गपुर ने सराहा है। आईआईटी, खड़गपुर द्वारा आयोजित क्षितिज टैक्नो मैनेजमेंट फेस्ट-2011 में राधारमण विद्यार्थियों द्वारा वॉटर फिल्टर एंड टेकर नामक इस प्रोजेक्ट को सिलेक्ट किया गया है। इस टेक्नो फेस्ट में देशभर के बड़े-बड़े इंजीनियरिंग महाविद्यालयों से लगभग 300 प्रोजेक्ट भेजे गए थे। राधारमण कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी पूरे मध्यप्रदेश में एकमात्र कॉलेज रहा जिसके विद्यार्थियों का प्रोजेक्ट सिलेक्ट किया गया।

कॉलेज के डायरेक्टर पीके लाहिरी के नेतृत्व में विपुल शर्मा, यूसुफ अली व उनके सहपाठियों- तोजो थॉमस, देवेन्द्र यादव, वैभव गुप्ता तथा गिरीश केसरवानी - ने एक ऐसा वॉटर फिल्टर बनाया है जोकि विशेष रूप से देश के उन ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी है जहां के निवासी गंदा पानी पीने को मजबूर रहते हैं। यह फिल्टर पानी को शुद्ध करने के साथ साथ पानी को एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने में भी काफी कारगर है। अर्थात यह टू-इन-वन सुविधा वाला वाटर फिल्टर है जिसका इस्तेमाल पानी को साफ करने व अन्य स्थान ले जाने के लिए किया जा सकता है। घर के आसपास उपलब्ध सामग्री से निर्मित यह वॉटर फिल्टर अपने आप में प्राकृतिक वॉटर फिल्टर का काम करता है। मात्र 300 रुपए में तैयार हो जाने वाले इस फिल्टर को चलाने के लिए न तो बिजली की जरूरत पड़ती है और न ही पानी शुद्ध करने के लिए किसी प्रकार के केमीकल आदि की। इसका निर्माण बांस, रेत, घास और चारकोल से पूरा हो जाता है। इससे पानी प्राकृतिक रूप से शुद्ध हो जाता है।

इस फिल्टर को चलाने के लिए एक हैंडमेड सेंट्रीक्यूलर पम्प भी इन विद्यार्थियों ने बनाया है जिसका वजन मात्र 250 ग्राम है। इसके जरिए पानी वॉटर फिल्टर एंड टेकर में आता है। पानी अगर दूर ले जाना हो तो पोले बांस अथवा पीवीसी पाइप का इस्तेमाल किया जा सकता है।

गिरीश ने बताया कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट का नाम वी टेकर एंड फिल्टर रखा है। जब यह मार्केट में आएगा तो ग्रामीण महिलाएं इसे वॉटर सोर्स के साथ स्थापित करने या इसमें वॉटर सोर्स से पानी भी ला सकती हैं। यदि पानी बहुत दूर से ला रहे हैं तो जितना समय पानी भरकर लाने में लगेगा, उतनी ही देर में पानी फिल्टर भी हो जाएगा।

तकनीकी रुप से उन्नत है वॉटर फिल्टर प्रोजेक्ट : डॉ. पी.के.लाहिरी

डॉ. पी.के. लाहिरी

विद्यार्थियों द्वारा विकसित किया गया यह वॉटर फिल्टर प्रोजेक्ट न केवल पर्यावरण की दृष्टि व कम लागत के मामले में उन्नत है बल्कि जनसामान्य द्वारा उपयोग किए जाने की दृष्टि से भी काफी व्यवहारिक व आसान है। इसका रखरखाव भी आसानी से किया जा सकता है व आवश्यकता होने पर इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर भी बिना किसी परेशानी ले जाया जा सकता है। चूंकि इसमें बिजली का इस्तेमाल नहीं होता इसलिए यह उपकरण उन क्षेत्रों के लिए काफी उपयोगी है जहां बिजली की किल्लत रहती है। यदि आने वाले समय में इस उपकरण का व्यापारिक उत्पादन किया जाता है तो निसंदेह इसे पूरे देश में पसंद किया जायेगा

गार्डनिंग से बिगड़ती है मालियों की सेहत

अभी तक आप गार्डनिंग को एक शौक के रूप में अपनाते होंगे, परन्तु क्या आपको पता है, कि गार्डनिंग से न केवल आपको तनाव से मुक्ति, मानसिक शान्ति और उर्जा मिलती है, परन्तु इसके साथ-साथ डायबटीज एवं मोटापे जैसी गंभीर बीमारियों से भी छुटकारा मिलता है, परन्तु इसके साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि गार्डनिंग करते समय पर्याप्त सावधानियाँ बरती जाएँ नहीं तो फायदे के बदले नुकसान उठाना पड़ सकता है।

इस सच्चाई को जानने के लिये राधारमण कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी की प्राचार्या डॉ.(श्रीमती) पापिया बिगोनिया के मार्गदर्शन में विभिन्न शिक्षकों और छात्रों के द्वारा भोपाल और आसपास के क्षेत्रों के 75 मालियों का साक्षात्कार किया गया। सर्वेक्षण में 18 वर्ष से अधिक आयु के 75 मालियों का चयन किया गया। सर्वेक्षण से यह पता चला कि कोई भी माली मोटापे और मधुमेह से पीड़ित नहीं है, परन्तु 31.99 प्रतिशत उच्च रक्तचाप, 26.66 प्रतिशत दृष्टि दोष, 29.99 प्रतिशत नेत्र शोथ और जोड़ों के दर्द से प्रभावित है। 28 प्रतिशत माली कार्य के दौरान किसी न किसी दुर्घटना के शिकार हुये है।

होती हैं ये दिक्कतें

सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया कि मालियों को लगातार खर-पतवार, कीट नाशक दवाओं के प्रयोग से एलर्जी की सम्भावना लगातार बनी रहती है। जो कि चिंता का विषय है। लगातार एक ही स्थिति में बैठकर गार्डनिंग

पंकज मिश्रा | प्रदीप सोनी | सुरेश देसवाली

करने से जोड़ों और पीठ दर्द की समस्या से एक तिहाई माली प्रभावित है।

शौकिया लोगों के लिये सलाह

इस तरह जो लोग शौकिया गार्डनिंग करते हैं, उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि, वे उचित सुरक्षा उपाय जैसे गॉगल, स्टर्डी, शूज, हेड-ग्लोबस आदि का प्रयोग करें, जिससे इन परेशानियों से बचा जा सकें। ज्यादातार माली पेड़-पौधों में उपयोग होने वाले कीटनाशक के उपयोग और उनके छिड़काव के दौरान बरतने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक नहीं है।

इस पेशे में रहने वाले लोगों को जो स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होती है, उस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए और इनको प्रशिक्षण देना चाहिए, जिससे ये विभिन्न प्रकार की अवांछित बीमारियों से अपने को मुक्त रह सकें इसका मूल कारण शिक्षा और पेशेवर भावना की कमी होना पाया गया। मालियों के द्वारा लोहे के औजारों का उपयोग किया जाता है, जिनसे कभी-कभी उनके हाथ-पैर और विभिन्न अंगों को चोट लगने का खतरा बना रहता है। इसलिये समय-समय पर उनको टेटनेस/डिप्थीरिया का वैक्सीनेशन अनिवार्य रूप से करवाना चाहिए। मालियों को उनके कार्य में बरती जाने वाली सावधानियों, वैक्सीनेशन, कीटनाशक के उपयोग न्यूट्रीजन आदि की जानकारी देना आवश्यक है।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

इस सर्वेक्षण में राधारमण कॉलेज ऑफ फार्मेसी के फाईनल ईयर के छात्र सुरेश देसवाली, प्रदीप सोनी एवं पंकज ने अंजाम दिया। जबकि आलोक शुक्ला (फैकल्टी) एवं चन्द्रशेखर सिंह (फैकल्टी) की भूमिका प्रमुख रही।

राधारमण टीम बनी नोडल क्रिकेट टूर्नामेन्ट की चैम्पियन

VIHAN 2011

राधारमण ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट्स द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स टूर्नामेंट विहान 11 से 17 मार्च तक ग्रुप की रातीबड़ स्थित परिसर में आयोजित किया गया। इस सात दिवसीय कार्निवल में 8 खेलों के शहर के विभिन्न कॉलेजों की टीमों ने अपना-अपना दमखम दिखाया।

टूर्नामेंट के अंतिम दिन नोडल क्रिकेट ट्राफी पर कब्जा जमाने के लिए राधारमण और सिस्टेक के बीच 20 ओवरों का मुकाबला हुआ। इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में राधारमण के रोहन और राहुल के 37-37 रनों और रोहित सक्सेना ने शानदार पारी खेलकर टीम को मजबूती दी जिसकी बदौलत टीम 74 रनों के बड़े अंतर से यह मैच जीत गई। राधारमण की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और निर्धारित ओवरों में 5 विकिट खोकर 144 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में सिस्टेक की टीम ने ओपनिंग तो अच्छी की लेकिन टीम ने जल्द ही अपना संतुलन खो दिया और एक के बाद एक उसके सभी बल्लेबाज पवेलियन की ओर जाते नजर आए। लक्ष्य का पीछा कर रही 15.2 ओवर होते-होते ही पूरी तरह से लड़खड़ा कर मात्र 70 रनों के स्कोर पर आल आउट हो गई। राधारमण की ओर से रोहित सक्सेना ने गेंदबाजी में अच्छा कमाल दिखाते हुए 3 ओवरों में 4 विकिट लिए। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

बॉस्केटबॉल खिताब पर भी राधारमण टीम ने जमाया कब्जा

राधारमण ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट्स की रातीबड़ स्थित परिसर में विगत दिवस संपन्न द्वह, इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स टूर्नामेंट विहान में राधारमण कॉलेज की टीम ने बास्केटबाल प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। लगातार जीत दर्ज करा रही राधारमण की टीम ने क्वार्टर फाइनल में एनआरआई कॉलेज की टीम को 39-27 तथा सेमीफाइनल में आईईएस कॉलेज की टीम को 43-34 से हराया था। फाइनल में इसका मुकाबला टूबा कॉलेज की टीम से हुआ। देर रात तक फ्लड लाइट में खेले गए इस मुकाबले में राधारमण की टीम ने टूबा कॉलेज की टीम को 73-58 से शिकस्त दी।

टग of वार जोर लगाके

हमारे देश में 12 शताब्दी से प्रचलित टग-ऑफ-वॉर अर्थात रस्साकशी नामक इस खेल की परंपरा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष होने वाले विहान स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में इसे विशेष रूप से शामिल किया जाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1900 से 1920 तक ओलम्पिक में शामिल रहने वाला यह खेल रोचक व रोमांचक होने के बावजूद बहुत कम खेला जाने लगा है।

इस वर्ष आरजीआई स्तर पर खेले गए इस खेल में महिला वर्ग में दीप्ति एण्ड टीम तथा ओबामा एण्ड टीम के बीच मुकाबला हुआ जिसमें ओबामा एण्ड टीम विजेता रही।

पुरुष वर्ग फाइनल में जौहरी एण्ड टीम (आरआईटीएस) तथा सिविलियन्स (आरईसी) के बीच हुआ जिसमें सिविलियन्स टीम विजेता रही।

उक्त खेल के सभी मुकाबलों को देखने व खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थियों व फैकल्टी मेम्बर्स खेल के मैदान पर पूरे समय मौजूद रहे।

राधारमण फैकल्टी मेम्बर्स ने खेल पत्रकारों के साथ खेला सौजन्य मैच

खेल पत्रकार एकादश की विजयी टीम ट्राफी के साथ

राधारमण एकादश की उप विजेता टीम ट्राफी के साथ

राधारमण ग्रुप में न केवल विद्यार्थी खेलकूद स्पर्धाओं में बढ़चढ़कर भाग लेते हैं बल्कि फैकल्टी मेम्बर्स व स्टाफ के अन्य सदस्य भी पीछे नहीं रहते। राधारमण फेकल्टी मेम्बर्स की टीम ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहर के प्रमुख समाचार पत्रों के खेल पत्रकारों के साथ एक मैत्री क्रिकेट मैच खेला। मैत्री के उद्देश्य से खेले गए इस मैच में सिर्फ और सिर्फ खेल भावना सर्वोपरि थी तथा जीत-हार से कोई सरोकार नहीं था। इन्स्टीट्यूशंस के खेल मैदान पर आयोजित इस मैच में पत्रकार एकादश ने नौ विकेट पर 147 रन का स्कोर बनाया। जवाब में राधारमण एकादश की टीम नौ विकेट पर 118 रन ही बना पाई। पुरस्कार वितरण ग्रुप के डायरेक्टर जेएल राणा के हाथों संपन्न हुआ।

Activities @ RGI

सेलिबिटी विजिट

राधारमण ग्रुप परिसर में विगत कुछ दिनों में बड़ी फिल्मी हस्तियों का आगमन हुआ। ग्रुप परिसर में अपने भ्रमण के दौरान इन हस्तियों ने परिसर का अवलोकन करने से लेकर विद्यार्थियों को संबोधित करने तक अनेक गतिविधियों को अंजाम दिया। इन हस्तियों ने विद्यार्थियों से अपने अनुभव बांटे और उन्हें जीवन में सफलता हासिल करने संबंधी उपयोगी टिप्स दिए।

सुश्री कामना चन्द्र ने राधारमण परिसर में बिताए दो घण्टे, विद्यार्थियों को दिये टिप्स

सिने जगत की सफलतम लेखिका व 'प्रेम रोग', '1942 ए लव स्टोरी', 'चाँदनी', 'गज गामिनी', 'भैरवी' और 'करीब' जैसी अनेक हिट फिल्मों की पटकथा लिखने वाली सुश्री कामना चन्द्रा विगत दिनों राधारमण ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट्स परिसर आईं। इस दौरान उन्होंने ग्रुप के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों से मुलाकात की। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि ''बात चाहे शिक्षा ग्रहण करने की हो या फिर करियर बनाने की, हमें हमेशा अपने दिल की बात सुनना चाहिए। क्योंकि जब आप अपनी पसंद के क्षेत्र को चुनते हैं तो आप दिल और दिमाग दोनों को एकसाथ लेकर आगे बढ़ते हैं। पूरे मन व तन्मयता के साथ प्रयास करने पर कुछ भी सीखना और आगे बढ़ना आसान होता है।''

लगभग दो घंटे तक यहां बिताने के दौरान सुश्री चन्द्रा ने राधारमण ग्रुप में मौजूद शिक्षण सुविधाओं व संसाधनों का जायजा लिया और इन सुविधाओं की प्रशंसा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लंबे व सफल करियर के अनुभव बांटे व उन्हें करियर व व्यक्तित्व निर्माण संबंधी महत्वपूर्ण टिप्स दिए। साथ ही इस अवसर पर उन्होंने स्मृति स्वरूप संस्थान परिसर में एक पौधा भी रोपा।

कैम्पस विजिट के दौरान फिल्म अभिनेत्री राइमा सेन, अभिनेता कबीर दास तथा फिल्म निदेशक तनूजा चन्द्रा राधारमन ग्रुप के विद्यार्थियों से मुखातिब हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किस प्रकार इंजीनियरिंग की डिग्री लेकर वे फिल्मी दुनिया में करियर बना सकते हैं। चर्चा के दौरान उन्होंने फिल्म जगत में इंजीनियरिंग से जुड़े विभिन्न कार्यों की जानकारी भी प्रदान की।

शिक्षकों से सीखीं शिक्षण की नवीनतम तकनीकें

जब आप अपने स्कूल अथवा कॉलेज के दिनों को याद करते हैं तो बरबस आपके पसंदीदा शिक्षक की छवि ध्यान में जरूर आती है। ऐसा उनके पढ़ाने की शैली और विद्यार्थियों के मनोविज्ञान को जानने की वजह से होता है। टीचिंग एक कला है। सफल टीचर बनने के लिए बहुत से गुणों की आवश्यकता होती है।

उक्त बात राधारमण ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट्स परिसर में नई फैकल्टीज के लिए आयोजित एक दिवसीय सेमीनार को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध शिक्षाविद, लेखक एवं इंजीनियर डॉ. वी.के. टोखी ने कही। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षण शैली विद्यार्थियों के करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय का गहन ज्ञान होने के अतिरिक्त अच्छे कम्युनिकेशन स्किल, मनोविज्ञान की जानकारी तथा विद्यार्थियों में समझ के स्तर की जानकारी होना बहुत आवश्यक है। डॉ. टोखी ने कहा कि नए शिक्षकों से कहा कि उन्हें लगातार अपने ज्ञान को बढ़ाते रहना चाहिए ताकि वे नए बदलावों से न सिर्फ परिचित रह सकें बल्कि इन बदलावों को शिक्षण में शामिल कर विद्यार्थियों को लाभान्वित कर सकें। उन्होंने कहा कि व्यापक बदलावों के सूचना के तेज प्रवाह के इस दौर में शिक्षकों की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। अतएव उन्हें शैक्षिक सत्र के आरंभ में ही बहुत अच्छी तैयारी और प्लानिंग के साथ शिक्षण कार्य को आरंभ करना चाहिए।

शिक्षकों की मेहनत विद्यार्थियों के परिणाम

ग्रुप के इंजीनियरिंग कॉलेजों के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

राधारमण ग्रुप के महाविद्यालयों ने आरजीपीवी द्वारा घोषित परीक्षा परिणामों में एकबार फिर शानदार प्रदर्शन किया है। घोषित परिणामों के अनुसार समूह के राधारमण इंजीनियरिंग कॉलेज (आरईसी) का सकल परीक्षा परिणाम 97 प्रतिशत रहा। इस महाविद्यालय की कम्प्यूटर शाखा के 99 प्रतिशत, सिविल इंजीनियरिंग व आईटी के 100 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनरिंग के 99 प्रतिशत तथा इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन के 87 प्रतिशत विद्यार्थी इस परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए। समूह के दूसरे महाविद्यालय राधारमण इन्स्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एण्ड टेक्नालॉजी (आरआईआरटी) का सकल परीक्षा परिणाम 95 प्रतिशत रहा। महाविद्यालय की ईसी शाखा के 97 प्रतिशत तथा आईटी व ईसी शाखा के 100 प्रतिशत विद्यार्थी सफल रहे। समूह के तीसरे महाविद्यालय राधारमण इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड साइंस (आरआईटीएस) ने 90.4 प्रतिशत परीक्षा परिणाम दर्ज कराया। इस महाविद्यालय की ईएक्स शाखा के 95.3 प्रतिशत, ईसी शाखा के 93.2 प्रतिशत, आईटी शाखा के 96.41 प्रतिशत तथा सीएसई शाखा के 97.54 प्रतिशत विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए।

विद्यार्थियों का इण्डस्ट्रियल विजिट

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के दल के साथ ग्रुप के शिक्षक।

औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए काफी उपयोगी होते हैं क्योंकि इससे उन्हें सैद्धांतिक बातों के व्यवहारिक पहलुओं को सीखने व समझने का मौका मिलता है। राधारमण ग्रुप अपने विद्यार्थियों ज्ञानवर्द्धक औद्योगिक भ्रमणों पर समय-समय पर ले जाता है। ऐसा ही एक औद्योगिक भ्रमण विगत दिनों देश के लघु, मध्यम एवं सूक्ष्म उद्योग मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया। इस शैक्षिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र सहित मण्डीदीप औद्योगिक क्षेत्र की इकाईयों को देखा। इनमें एचईजी व विंध्या हर्बल्स प्रमुख थीं।

विद्यार्थियों ने सीखे सफल उद्योगपति बनने के गुर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के इन्दौर स्थित विकास संस्थान के निदेशक डॉ. एस विजय कुमार ने मंत्रालय के 22 दिनी व्यवसाय कौशल विकास कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित किया व इसके प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उद्योग की स्थापना के लिए जरूरी विभिन्न बातों का प्रशिक्षण प्रापत किया। साथ ही वे इंडस्ट्रियल विजिट पर भी गए।

देवेन्द्र, अपर्णा और स्नेहा इंजीनियरिंग में आए अव्वल

देवेन्द्र सिंह

अपर्णा व्यास

स्नेहा चौधरी

राधारमण इंजीनियरिंग कॉलेज (आरईसी) की आईटी शाखा के विद्यार्थी देवेन्द्र सिंह ने 86.5 प्रतिशत अंकों के साथ महाविद्यालय की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राधारमण इन्स्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एण्ड टेक्नालॉजी (आरआईआरटी) महाविद्यालय की कम्प्यूटर साइंस शाखा की छात्रा अपर्णा व्यास 84 प्रतिशत अंकों के साथ महाविद्यालय की प्रावीण्य सूची में प्रथम रहीं। राधारमण इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड साइंस (आरआईटीएस) महाविद्यालय की सीएस शाखा की छात्रा स्नेहा चौधरी 85.37 प्रतिशत अंकों के साथ महाविद्यालय की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान पर रहीं।

फार्मेसी के तीन छात्राओं ने बढ़ाया कॉलेज का गौरव

नेल्या मिश्रा

पल्लवी सरवैया

जश्ना डहेरिया

राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में घोषित बी.फार्मा सातवें सेमेस्टर परीक्षा परिणामों में राधारमण कॉलेज ऑफ फार्मेसी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इन परीक्षा परिणामों में कॉलेज का सफलता प्रतिशत 90 प्रतिशत रहा। कॉलेज की छात्रा नेल्या मिश्रा ने 78.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं पल्लवी सरवैया ने 78.4 प्रतिशत प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार जश्ना डहेरिया ने 75.4 प्रतिशत अंक लाकर प्रावीण्य सूची में तीसरा स्थान प्राप्त किया।